# ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
# जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
# डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
# पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

**बुलेटिन संख्या–74**
**दिनांक– मंगलवार, 30 सितम्बर, 2025**

## विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.4 एवं 26.9 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 90.3 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 70.0 प्रतिशत, हवा की औसत गति 8.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.1 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 30.9 एवं दोपहर में 35.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 1.5 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

## मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
## (01–05 अक्टूबर, 2025)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 01–05 अक्टूबर, 2025 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधी में अगले दो २ दिनों में कही– कही हलकी वर्षा हो सकती है। अनुकूल मौसमीय सिस्टम के प्रभाव से 3–5 अक्टूबर को अनेक स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हो सकती है। कुछ स्थानों पर अधिक वर्षा (>100 मी० मी0) होने की सम्भावना है। वर्षा के दौरान अनेक स्थानों पर हवा तेज चल सकती है। तथा वज्रपात होने की सम्भावना बनी रहेगी।
- इस अवधी में अधिकतम तापमान में गिरावट आने की सम्भावना है और यह 29–32 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85–95 प्रतिशत के आसपास तथा दोपहर में 60–70 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 10 से 12 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पूर्वा हवा चलने की संभावना है।

## • समसामयिक सुझाव

- वर्षा की सम्भावना को देखते हुए फसलों में सिंचाई स्थगित रखे तथा कृषि कार्य सावधानी पूर्वक करे।
- किसान भाई रवी फसलों की बुआई पूर्व खेतों, खेत से सटे मेड़ों, नालों एवं आस–पास के रास्तों में उगे अवांछित जंगलो की साफ–सफाई प्राथमिकता से करे। ताकि इन जंगलों में छिपे कीट व रोगों के कारक आदी सम्पूर्ण रुप से नष्ट हो जाए। फसलों की स्वस्थ एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए सड़ी–गली गोबर खाद का प्रबंध करें। 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
- धान की फसल जो गाभा की अवस्था में हों, उसमें सिंचाई कर प्रति हेक्टेयर 30 किलोग्राम नेत्रजन का उपरिवेषन करें। धान की फसल जो दुग्धाअवस्था में आ गयी हो उसमें गंधी बग कीट की निगरानी करें। इस कीट के शिशु एवं पौढ़ जब पौधों में बाली निकलती है तो यह बालियों का रस चुसना प्रारंभ कर देती हैं जिससे दाने खोखले एवं हल्के हो जाते हैं तथा छिलका का रंग सफेद हो जाता है। धान की दुग्धावस्था में यह पौधों को अधिक क्षति पहुचाती है जिससे उपज में काफी कमी होता है। इसके शरीर से विशेष प्रकार का बदबु निकलती है, जिसकी वजह से इसे खेतों में आसानी से पहचाना जा सकता है। इसकी संख्या जब अधिक हो जाती है तो एक–एक बाल पर कई कीट बैठे मिलते है। इसके नियंत्रण के लिए फॉलीडाल 10 प्रतिशत धूल का प्रति हेक्टेयर 10–15 किलोग्राम की दर से भूरकाव 8 बजे सुबह से पहले अथवा 5 बजे शाम के बाद बालियों पर करें। खेतों के आस–पास के मेड़ों पर दवा का भूरकाव मौसम साफ रहने पर करें।
- मिर्च की फसल में विषाणु रोग से ग्रसित पौधों को उखाड़कर जमीन में गाड़ दे, तदुपरांत इमिडाक्लोप्रिड एक मि0ली0 प्रति 3 लीटर पानी की दर घोल बनाकर छिड़काव मौसम साफ रहने पर करें।
- मटर, राजमा, मेथी, लहसुन, धनियाँ, राई एवं सुर्यमुखी फसलों के समय से बुआई के लिए खेतों की तैयारी मौसम को देखते हुए करे। गोबर की सडी खाद 150–200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से पुरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर एवं जुताई कर मिला दें। यह खाद भुमि की जलधारण क्षमता एवं पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाती है।
- फूलगोभी की पूसा अगहनी,पूसी, पटना मेन, पूसा सिन्थेटिक–1, पूसा शुभ्रा, पूसा शरद, पूसा मेधना, काषी कुवाँरी एवं अर्ली स्नोवॉल आदि किस्मों की रोपाई करे। फूलगोभी की पिछात किस्मो जैसे माघी, स्नोकिंग, पूसा स्नोकिंग–1, पूसा–2, पूसा स्नोवॉल–16, पूसा स्नोवॉल के–1 की नर्सरी में बुआई के लिए खेत की तैयारी शुरु करें। पत्तागोभी की प्राइड ऑफ इण्डिया, गोल्डेन एकर, पूसा मुक्ता, पुसा अगेती एवं अर्ली ड्रम हेड किस्मों की बुआई नर्सरी में करें।

| | |
|---|---|
| आज का अधिकतम तापमानः 36.0 डिग्री सेल्सियस,<br>सामान्य से 3.8 डिग्री सेल्सियस अधिक | आज का न्यूनतम तापमानः 25.6 डिग्री सेल्सियस,<br>सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक |

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी